लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम .... दैनिक भास्कर ....

दिनांक ..15 . 10 . 2019.... पृष्ठ सं. ....5.... कॉलम ....4....

एक्सिस बैंक की पीएलए ब्रांच का एचएयू के कुलपति केपी सिंह ने किया शुभारंभ

हिसार | एक्सिस बैंक की पीएलए ब्रांच का शुभारंभ सोमवार को एचएयू के कुलपति केपी सिंह, एमएलए डॉ. कमल गुप्ता ने फीता काटकर किया। किसानों को समृद्ध करने के लिए स्टार्टअप योजना के तहत लोन भी दिया जाएगा। इस दौरान नगर निगम मेयर गौतम सरदाना, संदीप शर्मा, ब्रांच प्रभारी डॉ. एमके गर्ग, नवीन शर्मा, रजित सिंघला मौजूद रहे।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....दैनिक जागरण....

दिनांक...16.10.2019... पृष्ठ सं....22.... कॉलम....7-8....

किसानों व स्टार्टअप के लिए और प्रयास करें निजी बैंक : केपी सिंह

एक्सेस बैंक की पीएलए ब्रांच का उद्घाटन करते एचएयू के वीसी प्रो .केपी सिंह।

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह का कहना है कि किसानों और युवाओं के स्टार्ट अप के लिए निजी बैंकों को अधिकाधिक प्रयास करने चाहिए। उन्हें ऋण व अन्य सुविधाएं मुहैया करानी चाहिए। वे यहां पीएलए में एक्सेस बैंक की नई ब्रांच के शुभारंभ मौके पर बतौर मुख्यअतिथि उपस्थित जनों को संबोधित कर रहे थे। हिसार के विधायक डा. कमल गुप्ता ने भी समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि मेयर गौतम सरदाना, बैंक के सर्कल हेड रजनीश चौधरी,कलस्टर हेड रंजीत सिंगला, ब्रांच हेड नवीन शर्मा, संदीप शर्मा, डा. एमके गर्ग सहित शहर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: दैनिक जागरण
दिनांक: 16-10-2019 पृष्ठ सं. 22 कॉलम 3-7

रिसर्च में बेहतर काम करने वाले विद्यार्थियों को विवि देगा मेडल

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय पीएचडी स्टूडेंट्स को कृषि के क्षेत्र में उनकी बेहतर रिसर्च के लिए उन्हें गोल्ड मेडल से सम्मानित करेगा। विश्वविद्यालय तीन प्रकार के अवार्ड विद्यार्थियों को देगा। जिसमें डॉ वीडी कश्यप गोल्ड मेडल अवार्ड, सिल्वर जुबली गोल्ड मैडल फॉर वीमेन व डॉ आरएन पाल मेमोरियल गोल्ड मेडल अवार्ड शामिल हैं। इन तीनों अवार्ड को पाने के लिए विश्वविद्यालय के पीएचडी के 40 छात्र-छात्राएं दौड़ में हैं। विवि ने अवार्ड के लिए उनके विभागाध्यक्षों से आवेदन मांगे हैं। मगर आवेदन के लिए भी कुछ शर्तें रखी गई हैं, जिनको पूरा करने वाले ही विद्यार्थी अवार्ड के लिए पात्र माने जाएंगे।

इतने पीएचडी विद्यार्थी हैं गोल्ड के लिए दौड़ में

एग्रोनॉमी	7
एंटोमोलॉजी	3
जीपीबी	2
होर्टीकल्चर एफएलए	1
होर्टीकल्चर फ्रूट साइंस	4
होर्टीकल्चर वेजिटेबल साइंस	4
नेमेटोलॉजी	2
प्लांट पैथलॉजी	1
एसएसटी	1
साइल साइंस	5
कैमिस्ट्री	1
माइक्रो बॉयोलोजी	2
जूलॉजी	2

तीनों अवाड्र्स से जुड़ी खास जानकारियां

डॉ वीडी कश्यप गोल्ड मेडल अवार्ड

यह अवार्ड सभी पीएचडी स्टूडेंट्स के बीच तुलना कर सबसे अच्छे शोध कार्य के लिए दिया जाता है। इस अवार्ड को देने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति सहित सीनियर प्रोफेसर, रिसर्च डायरेक्टर, डीन पीजीएस व अन्य अधिकारियों की कमेटी रिसर्च पर अंक देती है। इसके साथ ही विवि में पीएचडी करने के दौरान कई प्रकार की विशेषताओं को भी इसमें अंक के रूप में सम्मलित किया है। इन सब को जोड़कर जिसे सबसे अधिक अंक मिलते हैं उन्हें अवार्ड दिया जाता है।

सिल्वर जुबली गोल्ड मेडल फॉर वीमेन

यह अवार्ड विश्वविद्यालय में पीएचडी छात्रा विद्यार्थी को बेस्ट थीसिस और हरियाणा के ग्रामीण विकास में विशेष योगदान के लिए यह अवार्ड दिया जाता है। इस अवार्ड को देने के लिए कुलपति सहित 5 सीनियर प्रोफेसर, रिसर्च डायरेक्टर, डीन पीजीएस व अन्य अधिकारियों की कमेटी का गठन किया गया है। जिसमें कइ प्रकार की श्रेणियों में अंक दिए जाते हैं। यह मेडल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में समय दिया जाता है।

डॉ आरएन पाल मेमोरियल गोल्ड मेडल अवार्ड

डॉ आरएन पाल की याद में इस अवार्ड को दिया जाता है, जिसमें बेस्ट थीसिस के साथ हरियाणा के लिए विश्वविद्यालय की तरफ से किए गए सहयोग को भी इसमें शामिल किया जाता है।

एचएयू के 2018-19 वर्ष में पीएचडी करने वाले 40 स्टूडेंट्स इस अवार्ड की दौड़ में, तीन प्रकार के अवार्ड देगा हकृवि

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक..16.10.2019...... पृष्ठ सं....4......... कॉलम....3-5.....

कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग की वर्कशॉप से छात्रों में डिवेलप हो रही क्रिएटिविटी और स्किल्स

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय में 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

भास्कर न्यूज | हिसार

वर्कशॉप में मुख्य अतिथि डॉ. बिमला ढांडा प्रतिभागी छात्राओं के साथ।

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय में कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग (केड) पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ हुआ। इस कार्यक्रम में गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा मुख्य अतिथि थी। अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों के लिए अपने विचारों और डिजाइनों के प्रोटोटाइप को अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में सहायक होगा। कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग द्वारा किसी भी प्लान को आसानी से बनाया जा सकता है, जो आज के समय में बहुत उपयोगी व सरल है। यह छात्रों को विभिन्न दृष्टिकोणों में अपने काम को अधिक प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करने में भी सक्षम करेगा। इस प्रशिक्षण के माध्यम से छात्रों को अपनी रचनात्मकता को विकसित करने और कंप्यूटर एडेड डिजाइन के मूलभूत सिद्धांतों और कौशल को सीखने का अवसर मिलेगा। प्रशिक्षण संयोजिका व वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की वैज्ञानिक डॉ. निशा आर्य ने बताया कि प्रशिक्षण में विभिन्न कालेजों के 30 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्रों के कौशल और क्षमताओं को विकसित करना है जो प्रोफेशनल अध्ययन में सहायक हो सके और भविष्य में स्वावलंबी बनने में मददगार साबित हो।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......पंजाब केसरी......
दिनांक...16.10.2019...... पृष्ठ सं......2...... कॉलम......7-8......

कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग से किसी भी प्लान को किया जाएगा आसानी से पूरा : डा. ढांडा

एच.ए.यू. में 10 दिवसीय कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग प्रशिक्षण आरंभ

मुख्यातिथि डा. बिमला ढांडा, वैज्ञानिक व प्रतिभागी छात्राओं के साथ।

हिसार, 15 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग (केड) पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरंभ हुआ। इस कार्यक्रम में गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा मुख्यातिथि थी। अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा ने बताया कि यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों के लिए अपने विचारों और डिजाइनों के प्रोटोटाइप को अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में सहायक होगा। कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग द्वारा किसी भी प्लान को आसानी से बनाया जा सकता है, जो आज के समय में बहुत उपयोगी व सरल है। इस अवसर पर सह छात्र कल्याण निदेशक डा. ओमेन्द्र सांगवान ने निदेशालय की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को इस प्रकार के प्रशिक्षणों में बढ़ चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डा. नीलम व अन्य वैज्ञानिक व कर्मचारी उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 16.10.2019 पृष्ठ सं. 21 कॉलम 4-5

हाथ से कपड़े पर डिजायन में लगता है समय, सॉफ्टवेयर की ली जाएगी मदद

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में छात्राओं को कंप्यूटर से डिजायन बनाना, कपड़े काटना और नई स्टाइलों में कपड़ों को डिजायन करना सिखाया जा रहा है। इसके लिए कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग (केड) पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य है कि मैनुअल तरीके से लगने वाले समय व मेहनत को कम किया जा सके। प्रशिक्षण में गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा मुय अतिथि रहीं।

अधिष्ठाता डॉ. ढांडा ने बताया कि यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों के लिए अपने विचारों और डिजाइनों के प्रोटोटाइप को अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में सहायक होगा। कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग द्वारा किसी भी प्लान को आसानी से बनाया जा सकता है, जो आज के समय में बहुत उपयोगी व सरल है। यह छात्रों को विभिन्न दृष्टिकोणों में अपने काम को अधिक प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करने में भी सक्षम करेगा।

इस अवसर पर सह छात्र कल्याण निदेशक डा. ओमेन्द्र सांगवान ने निदेशालय की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को इस प्रकार के प्रशिक्षणों में बद चद कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम रोज व अन्य वैज्ञानिक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण का यह है उद्देश्य

- प्रशिक्षण संयोजिका व वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की वैज्ञानिक डॉ. निशा आर्य ने बताया कि प्रशिक्षण में विभिन्न कालेजों के 30 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।
- इस प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्रों के कौशल और क्षमताओं को विकसित करना है जो प्रोफेशनल अध्ययन में सहायक हो सके और भविष्य में स्वावलंबी बनने में मददगार साबित हो।
- प्रशिक्षण को विशेष रूप से विभिन्न सॉफ्टवेयर्स के माध्यम से कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग की बुनियादी अवधारणाओं को मजबूत करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........
दिनांक 16.10.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 6

होम साइंस कॉलेज में 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग (केड) पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ हुआ। इस कार्यक्रम में गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों के लिए अपने विचारों और डिजाइनों के प्रोटोटाइप को अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में सहायक होगा। कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग द्वारा किसी भी प्लान को आसानी से बनाया जा सकता है, जो आज के समय में बहुत उपयोगी व सरल है। यह छात्रों को विभिन्न दृष्टिकोणों में अपने काम को अधिक प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करने में भी सक्षम करेगा। इस प्रशिक्षण के माध्यम से छात्रों को अपनी रचनात्मकता को विकसित करने और कंप्यूटर एडेड डिजाइन के मूलभूत सिद्धांतों और कौशल को सीखने का अवसर मिलेगा। प्रशिक्षण संयोजिका व वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की वैज्ञानिक डॉ. निशा आर्य ने बताया कि प्रशिक्षण में विभिन्न कालेजों के 30 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम नभ छोर

दिनांक 15.10.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 3-8

कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग (केड) पर प्रशिक्षण आरंभ

हिसार/15 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग (केड) पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों के लिए अपने विचारों और डिजाइनों के प्रोटोटाइप को अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में सहायक होगा। कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग द्वारा किसी भी प्लान को आसानी से बनाया जा सकता है, जो आज के समय में बहुत उपयोगी व सरल है। यह विद्यार्थियों को विभिन्न दृष्टिकोणों में अपने काम को अधिक प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करने में भी सक्षम करेगा। इस प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता को विकसित करने और कंप्यूटर एडेड डिजाइन के मूलभूत सिद्धांतों और कौशल को सीखने का अवसर मिलेगा। प्रशिक्षण संयोजिका व वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की वैज्ञानिक डॉ. निशा आर्य ने बताया कि प्रशिक्षण में विभिन्न कालेजों के 30 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों के कौशल और क्षमताओं को विकसित करना है जो प्रोफेशनल अध्ययन में सहायक हो सके और भविष्य में स्वावलंबी बनने में मददगार साबित हो। डॉ. निशा ने बताया कि हाथों से डिजाइन स्केच बनाना, डिजाइन पैटर्न बनाना, कपड़े पर रखकर काटना, उसमें अलग-अलग स्टाइल बनाना- इन सबमें बहुत समय व मेहनत लगती है पर कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग (केड) की सहायता से हम बहुत आसानी से नए नए डिजाइन बहुत कम समय में तैयार कर सकते हैं तथा भविष्य के लिए इसे सुरक्षित भी कर सकते हैं। प्रशिक्षण को विशेष रूप से विभिन्न सॉफ्टवेयर्स के माध्यम से कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग की बुनियादी अवधारणाओं को मजबूत करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इस अवसर पर सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने निदेशालय की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को इस प्रकार के प्रशिक्षणों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम रोज व अन्य वैज्ञानिक व कर्मचारी उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....सिटी पल्स....

दिनांक..15.10.2019.. पृष्ठ सं...2... कॉलम...2-7...

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज में कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ

प्रशिक्षण में विभिन्न कॉलेजों के 30 प्रतिभागी ले रहे हैं भाग

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग (केड) पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ हुआ। इस कार्यक्रम में गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा मुख्य अतिथि थी।

अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों के लिए अपने विचारों और डिजाइनों के प्रोटोटाइप को अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में सहायक होगा। कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग द्वारा किसी भी प्लान को आसानी से बनाया जा सकता है, जो आज के समय में बहुत उपयोगी व सरल है। यह छात्रों को विभिन्न दृष्टिकोणों में अपने काम को अधिक प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करने में भी सक्षम करेगा।

प्रशिक्षण संयोजिका व वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की वैज्ञानिक डॉ. निशा आर्य ने बताया

हिसार। मुख्य अतिथि डॉ. बिमला ढांडा, वैज्ञानिक व प्रतिभागी छात्राओं के साथ

कि प्रशिक्षण में विभिन्न कॉलेजों के 30 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्रों के कौशल और क्षमताओं को विकसित करना है जो प्रोफेशनल अध्ययन में सहायक हो सके और भविष्य में स्वावलंबी बनने में मददगार साबित हो।

डॉ. निशा ने बताया कि हाथों से डिजाइन स्केच बनाना, डिजाइन पैटर्न बनाना, कपड़े पर रखकर काटना, उसमें अलग-अलग स्टाइल बनाना- इन सबमें बहुत समय व मेहनत लगती है पर कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग (केड) की सहायता से हम बहुत आसानी से नए नए डिजाइन बहुत कम समय में तैयार कर सकते हैं तथा भविष्य के लिए इसे सुरक्षित भी कर सकते है।

इस अवसर पर सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने निदेशालय की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को इस प्रकार के प्रशिक्षणों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम रोज़ व अन्य वैज्ञानिक व कर्मचारी उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........ हरि. भूमि ....

दिनांक 16.10.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 8

डॉ. छाबड़ा 'अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार' से सम्मानित

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौध प्रजनन एवं आनुवंशिकी विभाग में वरिष्ट वैज्ञानिक व दलहन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार छाबड़ा को हाल ही में 'अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। डॉ. छाबड़ा को यह पुरस्कार वीडीगुड-एक सरकारी मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक संस्था द्वारा भारत के चेन्नई में अभियांत्रिकी, विज्ञान और चिकित्सा के 'प्रथम अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पुरस्कार' के अवसर पर प्रदान किया गया। इस पुरस्कार समारोह में विश्व के विभिन्न देशों से अपने ज्ञान को साझा करने के लिए स्टेक होल्डर्स-व्यक्तिगत, शैक्षणिक, शोधकर्ता, नवप्रवर्तक, रेगुलेटर्स एकत्रित हुए। वीडीगुड वैज्ञानिक पुरस्कार 2019 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीयस्तर पर अपने क्षेत्र में व्यक्ति की उत्कृष्ट उपलब्धियों को पहचान दिलाने के उद्देश्य से दिया गया है। डॉ. छाबड़ा को अब तक मिले पुरस्कार: उन्हें राष्ट्रीय, राज्य स्तर एवं विश्वविद्यालय स्तर पर कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इनमें से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार, वी. डी. कश्यप स्वर्ण पुरस्कार, सुश्री मंजू अतरेजा स्वर्ण पुरस्कार, डॉ. राम धन सिंह स्वर्ण पुरस्कार एवं कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप-रॉकफेलर फाउंडेशन फैलोशिप, अमरीका; इक्रीसैट फैलोशिप एवं वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद फैलोशिप आदि शामिल हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण, पंजाब केसरी
दिनांक 16 : 10 : 2019 पृष्ठ सं. 21, 4 कॉलम 1-2, 4-5

डा. अशोक अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित

जागरण संवाददाता, हिसार: हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौध प्रजनन एवं आनुवंशिकी विभाग में वरिष्ठ वैज्ञानिक व दलहन विभाग के अध्यक्ष डा. अशोक कुमार छाबड़ा को अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डा. छाबड़ा को यह पुरस्कार वीडीगुड - एक सरकारी मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक संस्था द्वारा भारत के चेन्नई में अभियांत्रिकी, विज्ञान और चिकित्सा के प्रथम अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पुरस्कार के अवसर पर प्रदान किया गया। इस पुरस्कार समारोह में विश्व के विभिन्न देशों से अपने ज्ञान को साझा करने के लिए स्टेक होल्डर्स - व्यक्तिगत, शैक्षणिक, शोधकर्ता, नवप्रवर्तक, रेगुलेटर्स एकत्रित हुए। वीडीगुड वैज्ञानिक पुरस्कार 2019 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने क्षेत्र में व्यक्ति की उत्कृष्ट उपलब्धियों को पहचान दिलाने के उद्देश्य से दिया गया है। उन्हें राष्ट्रीय, राज्य स्तर एवं विश्वविद्यालय स्तर पर कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

डा. अशोक कुमार छाबड़ा। • जागरण

डा. छाबड़ा अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित

हिसार, 15 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौध प्रजनन एवं आनुवंशिकी विभाग में वरिष्ठ वैज्ञानिक व दलहन विभाग के अध्यक्ष डा. अशोक कुमार छाबड़ा को हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डा. छाबड़ा को यह पुरस्कार वीडीगुड - एक सरकारी मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक संस्था द्वारा भारत के चेन्नई में अभियांत्रिकी, विज्ञान और चिकित्सा के 'प्रथम अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पुरस्कार' के अवसर पर प्रदान किया गया। इस पुरस्कार समारोह में विश्व के विभिन्न देशों से अपने ज्ञान को सांझा करने के लिए स्टेक होल्डर्स - व्यक्तिगत, शैक्षणिक, शोधकर्ता, नवप्रवर्तक, रेगुलेटर्स एकत्रित हुए। वीडीगुड वैज्ञानिक पुरस्कार 2019 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने क्षेत्र में व्यक्ति की उत्कृष्ट उपलब्धियों को पहचान दिलाने के उद्देश्य से दिया गया है। उन्हें राष्ट्रीय, राज्य स्तर एवं विश्वविद्यालय स्तर पर कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इनमें से प्रमुख हैं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का जवाहर लाल नेहरु पुरस्कार, वी. डी. कश्यप स्वर्ण पुरस्कार, मंजू अतरेजा स्वर्ण पुरस्कार, डा. राम धन सिंह स्वर्ण पुरस्कार एवं कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप - रॉकफेलर फाउंडेशन फैलोशिप, अमरीका; इक्रीसैट फैलोशिप एवं वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद फैलोशिप इत्यादि।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर, अमर उजाला
दिनांक 16.10.2019 पृष्ठ सं. 2, 4 कॉलम 1-2, 1-2

एचएयू के वैज्ञानिक डॉ. अशोक छाबड़ा अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार से हुए सम्मानित

हिसार | एचएयू के पौध प्रजनन एवं आनुवंशिकी विभाग में वरिष्ट वैज्ञानिक व दलहन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार छाबड़ा को हाल ही में अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. छाबड़ा को यह पुरस्कार वीडीगुड - एक सरकारी मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक संस्था द्वारा भारत के चेन्नई में अभियांत्रिकी, विज्ञान और चिकित्सा के प्रथम अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पुरस्कार के अवसर पर प्रदान किया गया। इस पुरस्कार समारोह में विश्व के विभिन्न देशों से अपने ज्ञान को साझा करने के लिए स्टेक होल्डर्स - व्यक्तिगत, शैक्षणिक, शोधकत्ता, नवप्रवर्तक, रेगुलेटर्स एकत्रित हुए। वीडीगुड वैज्ञानिक पुरस्कार 2019 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने क्षेत्र में व्यक्ति की उत्कृष्ट उपलब्धियों को पहचान दिलाने के उद्देश्य से दिया गया है।

डॉ. अशोक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौध प्रजनन एवं आनुवंशिकी विभाग में वरिष्ठ वैज्ञानिक व दलहन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार छाबड़ा को हाल ही में अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. छाबड़ा को यह पुरस्कार वीडीगुड - एक सरकारी मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक संस्था द्वारा भारत के चेन्नई में आभियांत्रिकी, विज्ञान और चिकित्सा के 'प्रथम अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पुरस्कार समारोह' के अवसर पर प्रदान किया गया।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........ नभ छोर, सिटी पल्स ....

दिनांक 15.10.2019 पृष्ठ सं. 1, 1 कॉलम 6-8, 3-5

'अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार' से डॉ. छाबड़ा हुए सम्मानित

हिसार/15 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौध प्रजनन एवं आनुवंशिकी विभाग में वरिष्ठ वैज्ञानिक व दलहन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार छाबड़ा को हाल ही में ''अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार'' से सम्मानित किया गया।डॉ. छाबड़ा को यह पुरस्कार वीडीगुड – एक सरकारी मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक संस्था द्वारा चेन्नई में आभियांत्रिकी, विज्ञान और चिकित्सा के 'प्रथम अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पुरस्कार' के अवसर पर प्रदान किया गया। इस पुरस्कार समारोह में विश्व के विभिन्न देशों से अपने ज्ञान को साझा करने के लिए स्टेक होल्डर्स – व्यक्तिगत, शैक्षणिक, शोधकर्त्ता, नवप्रवर्तक, रेगुलेटर्स एकत्रित हुए। वीडीगुड वैज्ञानिक पुरस्कार 2019 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपने क्षेत्र में व्यक्ति की उत्कृष्ट उपलब्धियों को पहचान दिलाने के उद्देश्य से दिया गया है। उन्हें राष्ट्रीय, राज्य स्तर एवं विश्वविद्यालय स्तर पर कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इनमें से प्रमुख हैं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार, वीडी कश्यप स्वर्ण पुरस्कार, मंजू अतरेजा स्वर्ण पुरस्कार, डॉ. राम धन सिंह स्वर्ण पुरस्कार एवं कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय फैलोशिप-रॉकफेलर फाउंडेशन फैलोशिप, अमरीका; इक्रीसैट फैलोशिप एवं वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद् फैलोशिप इत्यादि।

डॉ. अशोक कुमार छाबड़ा 'अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार' से सम्मानित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौध प्रजनन एवं आनुवंशिकी विभाग में वरिष्ठ वैज्ञानिक व दलहन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार छाबड़ा को हाल ही में 'अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। डॉ. छाबड़ा को यह पुरस्कार वीडीगुड - एक सरकारी मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक संस्था द्वारा भारत के चेन्नई में आभियांत्रिकी, विज्ञान और चिकित्सा के 'प्रथम अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पुरस्कार' के अवसर पर प्रदान किया गया। इस पुरस्कार समारोह में विश्व के विभिन्न देशों से अपने ज्ञान को साझा करने के लिए स्टेक होल्डर्स - व्यक्तिगत, शैक्षणिक, शोधकर्त्ता, नवप्रवर्तक, रेगुलेटर्स एकत्रित हुए। वीडीगुड वैज्ञानिक पुरस्कार 2019 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपने क्षेत्र में व्यक्ति की उत्कृष्ट उपलब्धियों को पहचान दिलाने के उद्देश्य से दिया गया है। उन्हें राष्ट्रीय, राज्य स्तर एवं विश्वविद्यालय स्तर पर कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इनमें से प्रमुख हैं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार, वी. डी. कश्यप स्वर्ण पुरस्कार, सुश्री मंजू अतरेजा स्वर्ण पुरस्कार, डॉ. राम धन सिंह स्वर्ण पुरस्कार एवं कई राष्ट्रीय एवं 'अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप - रॉकफेलर फाउंडेशन फैलोशिप, अमरीका; इक्रीसैट फैलोशिप एवं वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद् फैलोशिप, इत्यादि।